कुटकी (*पिक्रोराइजा कुरूआ*)

प्रचलित नाम– कटुका, तिक्ता, कटुरोहिणी

प्राप्ति स्थान– हिमालय में काश्मीर से सिक्कम तक 7000–15000 फीट की ऊँचाई तक

उपयोग– पाण्डु रोग, ज्वरनिवारक और पित्तनाशक, कृमि आदि रोगों में।

जलवायु– ठण्डे पहाड़ी क्षेत्रों की फालतू, नमीयुक्त एवं छायादार ढलानों में

कुटकी के प्रकंद

प्रकंदों से तैयार कुटकी की पौध

कुटकी की पौधशाला

खेत में कुटकी की फसल

पॉलीहाउस में लगे कुटकी के पौधे

उत्पादन एवं आय – व्यय ब्यौरा

बाजार का भाव : 800.00 रुपए प्रति कि.ग्रा. प्रकंद

कुल उत्पादन : 600.00 रुपए कि.ग्रा./हेक्टेयर

सकल उत्पाद : 4,80,000.00 रुपए/हेक्टेयर

शुद्ध आय : 2,50,000.00 रुपए/हेक्टेयर
(2500 रु. प्रति 100 वर्ग मीटर)

सीएसआईआर–हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान
CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology

पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, 176061 (भारत)
Palampur, Himachal Pradesh, 176061 (INDIA)

दूरभाष : 01894–230411 फैक्स : 01894–230433
E-mail: director@ihbt.res.in; Website http://www.ihbt.res.in